पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 01.07.2025 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

श्रावणी पर युवा संस्कार अभियान

आर्य समाज के 150 वे स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 6 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक 150 स्थानो पर युवा संस्कार अभियान 12 से 25 वर्ष तक युवाओ को यज्ञोपवीत धारण।

आप भी अपने क्षेत्र में कार्यक्रम अवश्य आयोजित करे सम्पर्क सूत्र—

अरुण आर्य— 9818530543,
सौरभ गुप्ता—9971467978
—अनिल आर्य—महेन्द्र भाई

वर्ष-42 अंक-03 आषाढ़-2082 दयानन्दाब्द 201 01 जुलाई से 15 जुलाई 2025 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.07.2025, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

स्वामी आर्यवेश जी का 74वाँ जन्मोत्सव सम्पन्न

युवा निर्माण अभियान को तीव्र गति देंगे —स्वामी आर्यवेश

वेद और आर्य समाज के लिए समर्पित है स्वामी आर्यवेश जी —राष्ट्रीय अनिल आर्य

देहरादून, सोमवार 23 जून 2025, आर्य समाज की सर्वोच्च संस्था सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का 74वाँ जन्मदिन वैदिक साधन आश्रम नालापानी, तपोवन में सौल्लास मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मा हरीश मुनि यज्ञ करवाया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद

(शेष पृष्ठ 3 पर)

फरीदाबाद युवक निर्माण शिविर सम्पन्न

आदर्श युवक ही समाज की नींव है —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

फरीदाबाद, रविवार 15 जून 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर' गत एक सप्ताह से रोटरी पब्लिक स्कूल सेक्टर 19 में चल रहे का समापन हो गया। शिविर में 80 युवको ने संध्या यज्ञ, योगासन, दण्ड बैठक, लाठी, स्तूप, तलवार,जूडो कराटे का प्रशिक्षण प्राप्त

श्री आनंद चौहान का अभिनंदन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अपार सहयोगी एमिटी शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री आनंद चौहान जी का अभिनंदन करते अनिल आर्य ,साथ में मृदुला चौहान ,प्रवीण आर्य पिंकी, आस्था आर्य।

माता परमेश्वरी देवी का निधन

रविवार 29 जून 2025 रोहतक के महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के टैगोर हाल में माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करते अनिल आर्य, महेन्द्र भाई, धर्मपाल आर्य

हिन्दुओं में अपने भविष्य के प्रति जागरूकता नहीं है -डा. विवेक आर्य

—मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

रविवार दिनांक 22—6—2025 को हमें आर्यसमाज धामावाला, देहरादून के रविवारीय सत्संग में सम्मिलित होने का अवसर मिला। प्रातः 8.00 बजे से आर्यसमाज की यज्ञशाला में यज्ञ हुआ। यह यज्ञ आर्यसमाज के प्रधान श्री सुधीर गुलाटी जी ने सम्पन्न कराया। यज्ञ के बाद आर्यसमाज के सभागार में सत्संग का कार्यक्रम हुआ। सत्संग में श्रद्धानन्द बाल वनिता आश्रम के बच्चों द्वारा भजन गाये गये। एक भजन स्त्री आर्यसमाज की प्रधाना श्रीमती रेखा आर्य जी एवं एक भजन श्रीमती जगवती चौधरी जी के हुए। एक भजन बाहर से आर्य युवा आचार्य जी का हुआ। बाल वनिता आश्रम की बालिका सुश्री निहारिका ने सामूहिक प्रार्थना कराई। इन सबके बाद दिल्ली के प्रसिद्ध आर्य युवा विद्वान डा. विवेक आर्य जी का व्याख्यान हुआ। अपने व्याख्यान में डा. विवेक आर्य जी ने कहा कि विश्व में पहली शुद्धि आर्यसमाज धामवाला, देहरादून में महर्षि दयानन्द सरस्वती जी द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि ऋषि दयानन्द के बाद शुद्धि के आन्दोलन को रक्तसाक्षी पं. लेखराम जी ने आगे बढ़ाया। पं. लेखराम जी के बाद शुद्धि आन्दोलन को ऋषिभक्त स्वामी श्रद्धानन्द जी ने तेज गति से बढ़ाया। देहरादून के निकट ही स्वामी श्रद्धानन्द जी ने गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना सन् 1902 में की थी। डा. विवेक आर्य जी ने रालेट एक्ट के लागू किये जाने पर देश में अंग्रेजों के विरुद्ध हुए आन्दोलनों की चर्चा की और कहा दिल्ली के आन्दोलन की बागडोर स्वामी श्रद्धानन्द जी को सौंपी गई थी। स्वामी जी ने चांदनी चौक में शौर्य का परिचय दिया। वहां स्वामी श्रद्धानन्द जी ने देशभक्तों के जलूस को आगे बढ़ने से रोकने के लिए अंग्रेजों के गोरखा सिपाहियों ने अपनी बन्दूकें तान दी थी। स्वामी श्रद्धानन्द जी ने भी अंग्रेज सिपाहियों की संगीनों के सामने अपनी छाती तान कर कहा था कि यदि हिम्मत है तो चलाओ गोली। इस घटना के बाद दिल्ली में स्वामी श्रद्धानन्द जी की लोकप्रियता आजादी के सर्वोपरि नेता की बन गई थी। उन्हें मुसलमानों द्वारा दिल्ली की जामा मस्जिद में सम्मानपूर्वक ले जाकर व्याख्यान कराया गया था जहां स्वामी श्रद्धानन्द जी ने वेद मन्त्रों को बोल कर मुसलमानों को सम्बोधित किया था। इतिहास की यह पहली घटना थी कि जब जामा मस्जिद के मिम्बर से किसी गैर मुस्लिम व्यक्ति ने मुसलमानों को सम्बोधित किया था।

डा. विवेक आर्य जी ने उन दिनों चले खिलाफत आन्दोलन की भी चर्चा की और कहा कि गांधी जी द्वारा चलाये गये इस आन्दोलन से स्वामी श्रद्धानन्द जी सहमत नहीं थी। यह आन्दोलन कुछ समय बाद असफल हो गया था। इस खिलाफल आन्दोलन ने देश के मुसलमानों को पहले से अधिक संगठित कर दिया था। डा. विवेक आर्य जी ने केरल के मलाबार में सन् 1921 में हिन्दुओं पर किये गये मुसलमानों के अत्याचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मलाबार में हिन्दुओं पर अत्याचार किये जाते रहे परन्तु कांग्रेस के किसी नेता ने इसका विरोध नहीं किया। देश भर में कहीं पर भी इन अत्याचारों की जानकारी नहीं पहुंचीं। लगातार दो तीन महीनों तक यह अत्याचार किये जाते रहे जिसमें हिन्दू स्त्रियों से बलात्कार के घिनौनी कार्यों सहित बड़ी संख्या में हिन्दू स्त्रियों, पुरुषों व बच्चों की हत्यायें की गईं। बड़ी संख्या में हिन्दुओं का बलात् धर्मान्तरण भी किया गया था। किसी प्रकार से शिमला में ऋषि दयानन्द के भक्त महात्मा हंसराज जी को यह समचार मिला। इन अत्याचारों से बचाने व बचे हुए हिन्दुओं की रक्षा तथा धर्मान्तरित हिन्दुओं को पुनः शुद्ध करने के लिये महात्मा हंसराज जी ने अपने प्रिय शिष्य महात्मा आनन्द स्वामी जी को केरल के मलाबार क्षेत्र में भेजा था। महात्मा आनन्द स्वामी जी वहां अपने साथियों के साथ कई महीनों तक रहे और उन्होंने वहां अपने धर्मान्तरित बन्धुओं की शुद्धि व उनकी रक्षा के पुख्ता प्रबन्ध किये। इन हिन्दुओं को अत्याचारों से बचाने के लिये कांग्रेस व गांधी जी की भूमिका हिन्दुओं के समर्थन में नहीं थी।

केरल की घटनाओं के बाद आर्यसमाज के लोकप्रिय विद्वान एवं नेता डा. विवेक आर्य जी ने पं. लेखराम जी के त्याग एवं बलिदान के कार्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि पं. लेखराम जी ने लम्बे समय तक शुद्धि का कार्य किया और अपने धर्मान्तरित बन्धुओं को शुद्ध करने सहित जो बन्धु

6वें राज्य योगासन प्रतियोगिता आगरा में मुख्य निर्णायक के रूप में परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सौरभ गुप्ता ने अपने दायित्व का निर्वाहन किया साथ हीं उन्हें उत्तर प्रदेश के पशु पालन मंत्री श्री एस पी सिंह बघेल जी द्वारा सम्मानित किया गया।

परिषद की विद्यार्थी नेहा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर नाम रौशन किया।

धर्मान्तरित हुआ करते थे उन्हें धर्मोपदेश देकर धर्मान्तरित होने से रोका। स्वामी श्रद्धानन्द जी ने भी अपने जीवन में गुरुकुल कांगड़ी के माध्यम से वेदों के विद्वान तैयार करने के कार्य सहित शुद्धि के कार्यों को बड़े स्तर पर किया। उन्होंने मथुरा आदि के निकट के स्थानों के लाखों धर्मान्तरित बन्धुओं को शुद्ध कर पुनः वैदिक धर्म में दीक्षित किया था। वैदिक विद्वान एवं अनेक ग्रन्थों के लेखक डा. विवेक आर्य जी ने कहा कि उन दिनों हमारे सनातनी पौराणिक भाई धर्मान्तरित हिन्दुओं को उनके अनुरोध करने पर भी हिन्दु धर्म में मिलाते नहीं थे। इससे हिन्दुओं की संख्या निरन्तर कम हो रही थी। इसके अनेक उदाहरण भी आर्यसमाज के विद्वान डा. विवेक आर्य जी ने अपने व्याख्यान में दिये।

उन्होंने बताया कि पौराणिक बन्धु बाद में शुद्धि के लिये सहमत तो हुए परन्तु उन्होंने शुद्धि की जो प्रक्रिया तय की वह अत्यन्त कठिन एवं जटिल होने सहित अव्यवहारिक भी थी। इसके उत्तर में आर्यसमाज ने कहा कि किसी भी धर्मान्तरित को केवल यज्ञ में बैठाकर और उससे गायत्री मन्त्र बुलवाकर पुनः सनातन वैदिक धर्म में सम्मिलित किया जा सकता है। आर्यसमाज के इस विधि—विधान को उस समय के सभी बुद्धिजीवियों ने स्वीकार किया और स्वामी श्रद्धानन्द एवं अन्य आर्यसमाज के कार्यकर्ताओं ने इसी विधि से अपने बिछुड़े हुए धर्म बन्धुओं को शुद्ध किया। डा. विवेक आर्य जी ने हिन्दुओं में विद्यमान जातिवाद एवं छुआछूत के व्यवहारों की भी चर्चा की और कहा कि यह दोनों ही बातें हिन्दुओं को धर्मान्तरित होने में मुख्य भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि आर्यसमाज के अनुयायी भी अपने आप को जातिवाद से पूरी तरह से पृथक नहीं कर पाये हैं। डा. विवेक आर्य जी ने कहा कि गांधी जी व कांग्रेस ने जातिवाद एवं छुआछूत के विरुद्ध कोई प्रभावशाली आन्दोलन नहीं चलाया और न ही खुलकर हिन्दुओं के धर्मान्तरण का विरोध किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी के समय में व उनके बाद भी देश भर में स्थान स्थान पर मुस्लिम—हिन्दुओं के बीच में दंगे होते रहे जिनमें निर्दोष हिन्दुओं को पीड़ित किया जाता रहा। वैदिक विद्वान डा. विवेक आर्य ने कहा कि विगत कई दशकों व शताब्दियों से हिन्दुओं की जनसंख्या घट रही है। उन्होंने कहा कि हिन्दुओं के भविष्य के लिये यह स्थिति अत्यन्त चिन्ताजनक है। डा. विवेक आर्य जी ने स्वामी श्रद्धानन्द जी की 23 दिसम्बर सन् 1926 को बलिदान की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि महात्मा हंसराज जी के अनुसार स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा चलाये गये शुद्धि आन्दोलन में 27 लोगों का बलिदान हुआ। उन्होंने कहा कि मुझे दुःख होता है कि हिन्दुओं में अपने भविष्य के प्रति जागरूकता नहीं है।

(शेष अगले अंक में)

(पृष्ठ 1 का समाचार ''स्वामी आर्यवेश जी का 74वां जन्मोत्सव सम्पन्न' का शेष)

दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी आर्यवेश जी का सम्पूर्ण जीवन वेद, आर्य समाज व महर्षि दयानन्द के प्रति समर्पित रहा है। आप कर्मशील व्यक्तित्व के धनी हैं। स्वामी इन्द्रवेश जी के आप शिष्य रहे और स्वामी अग्निवेश जी से आपने सन्यास की दीक्षा ली, आप एम ए, एल एल बी है और धाराप्रवाह बोलने वाले प्रखर वक्ता है। समस्त आर्य जगत को आप पर गर्व है हम आपके 100 वर्ष स्वस्थ जीवन की कामना करते है। स्वामी आर्यवेश ने कहा कि मेरे जीवन का हर कण आर्य समाज के लिए ही है युवा निर्माण के लिए शिविर लगाना मेरी रूचि का विषय है मैं आज फिर संकल्प लेता हूं कि अपने मिशन में लगा रहुगा। आज समाज में बढता पाखंड अंधविश्वास चिन्ता का विषय है उसके लिए आर्य जनों को मिलकर जन जागरण अभियान चलाना है। तपोवन आश्रम के मंत्री प्रेम प्रकाश शर्मा ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि स्वामी जी आर्य समाज के गौरव है हम आपके स्वस्थ जीवन दीर्घ आयु की कामना करते है। बहिन पूनम आर्य , प्रवेश आर्य, विरजानन्द आर्य, राजवीर आर्य , प्रवीण आर्य पिंकी , आस्था आर्य ने भी अपनी शुभकामनाये प्रदान की।

(पृष्ठ 1 का समाचार ''फरीदाबाद युवक निर्माण शिविर सम्पन्न' का शेष)

किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि यह प्रशिक्षित आर्य युवक ही समाज को बदलेंगे। यह समाज की नींव मजबूत करने का कार्य करेंगे।उन्होंने कहा कि आज संस्कारित युवा शक्ति की आवश्यकता है जो मातृ पितृ भक्त हो, ईश्वर भक्त, देश भक्त हो जो उन्नत समाज की संरचना करें। महर्षि दयानन्द सरस्वती ने ऐसे ही समाज की कल्पना की थी जिसके लिए आर्य युवक परिषद कार्य कर रही है। शिक्षाविद डॉ. ग़ज़राजसिंह आर्य ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इन शिविरों का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार होना चाहिए। आर्य केन्द्रीय सभा फरीदाबाद एवं फरीदाबाद बार कौन्सिल के प्रधान प्रेम कुमार मित्तल ने कहा कि आर्य समाज समाज का सजक प्रहरी है।कार्यक्रम का कुशल संचालन सत्य पाल सिंह आर्य ने किया। आचार्य अमन सिंह शास्त्री, संजय गुप्ता, सुरेश गुलाटी, सीमा बत्रा, गुलाब चंद वैद्य, डॉ. प्रेमपाल शास्त्री, प्रिसिंपल सुधा चौबे, विजेन्द्र शास्त्री, अशोक शास्त्री, सुधीर कपूर, विजय भूषण आर्य,रोशन आर्य, अजय आर्य, राजेश कुमारी , आचार्य शिव कुमार आदि ने अपने विचार रखे। प्रान्तीय अध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा, प्रान्तीय महामंत्री वीरेंद्र योगाचार्य, शिविर संयोजक जितेन्द्र सिंह आर्य ने विश्वास दिलाया कि युवा पीढ़ी को सुसंस्कृत करने का अभियान तीव्र गति से चलाया जाएगा। प्रमुख रूप से रामकुमार सिंह, अरुण आर्य, अवधेश प्रताप सिंह, मकेन्द्र कुमार, नंद लाल कालरा,दयानन्द सेठी, रघुवीर शास्त्री बाबु राम सैनी, विमला ग्रोवर, सुधीर बंसल आदि उपस्थित थे।

डॉ. आनन्द सुमन सिंह व ओम प्रकार महेन्द्रु का अभिनन्दन

बांग्लादेश में आर्य युवा शिविर सम्पन्न व माता विमला गुप्ता को श्रद्धांजलि

प्रथम चित्र में बांग्लादेश में आर्य युवा शिविर सम्पन्न, बच्चे योगासन करते हुए।
द्वितीय चित्र में व्यास आश्रम हरिद्वार में माता विमला गुप्ता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अनिल आर्य।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

करनाल में युवक चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

केंद्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा आर्य केन्द्रीय सभा के तत्वावधान में आर्य समाज मंदिर सेक्टर 6 में लगाए जा रहे पांच दिवसीय आर्य युवक चरित्र निर्माण आवासीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन यज्ञ एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ। पंडित राजीव आर्य, शिवप्रसाद और निर्मल शास्त्री के ब्रह्मतत्व में यज्ञ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारम्भ अनिल आर्य कुंजपुरा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनिल आर्य ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से युवाओं में शक्ति का संचार और उनके चरित्र का निर्माण कराया जाता है। विशिष्ट अतिथि डी ए वी पुलिस पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल प्रिं मंतोष पाल और अरुण वर्मा ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को सही दिशा और संस्कार देने की आवश्यकता है और इनको सही रास्ता दिखाना हम सब का कर्तव्य है। परिषद् यह कार्य बहुत अच्छे तरीके से कर रही है। परिषद् के प्रांतीय अध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा ने बताया कि इस शिविर में विभिन्न स्कूलो के 72 बच्चे भाग ले रहे है । उन्होंने कहा कि संस्कारित युवक ही राष्ट्र का भविष्य है। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो आनंद सिंह ने कहा कि स्वामी दयानंद की शिक्षाओं पर चल कर ही यह देश आगे बढ़ सकता हैं। विशिष्ट अतिथि ज्योति चौधरी ने कहा कि शिविर में जो कुछ सिखाया जा रहा है बच्चे उन्हें अपने जीवन धारण करे तभी वो आगे बढ़ सकते हैं।इस अवसर पर शिविर प्रभारी रोशन आर्य, अजय आर्य, हरेंद्र चौधरी , मीडिया प्रभारी रजनीश चोपड़ा, वेद खुराना, वेदमित्र आर्य, सत्येंद्र मोहन कुमार, रामकुमार आर्य दादूपुर, रमेश आर्य दादूपुर, मास्टर प्रकाश आर्य दादूपुर, ओमप्रकाश सचदेवा, सुमित्रा कुकरेजा, प्रकाश चौधरी, शकुन्तला सुखीजा,नीलम काम्बोज, बहन अमर कौर , इंदु गुलाटी, सीमा खुराना, सावित्री काम्बोज, शशि आर्या, चौधरी लाजपत राय आर्य उपस्थित रहें।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा 2020 से 727वां वेबिनार सम्पन्न

हम दूसरों से कैसा व्यवहार करे गोष्ठी सम्पन्न

यथा योग्य प्रीति पूर्वक करना चाहिए –प्रो. नरेंद्र आहूजा विवेक

सोमवार 16 जून 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'हमारा दूसरों से कैसा व्यवहार हो' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 726वा वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता प्रो. नरेंद्र आहूजा विवेक ने कहा कि हमें सभी से यथायोग्य धर्म अनुसार प्रीति पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। हमें किसी से भी व्यवहार करते समय एक बात का चिंतन करना चाहिए कि उसे स्थिति विशेष में हम किसी अन्य व्यक्ति से अपने लिए कैसा व्यवहार अपेक्षित करते हैं वैसा व्यवहार उस स्थिति विशेष में हमें दूसरों के साथ करना चाहिए। इसे स्वआत्मावत व्यवहार भी कहते हैं। नरेंद्र विवेक ने कहा कि हम बचपन में ही बोलना तो सीख जाते हैं परंतु कब क्या बोलना है यह सीखने में हमारी पूरी आयु बीत जाती है। मुख्य अतिथि डॉ. उमेश सपरा व अध्यक्ष ओम सपरा ने भी शालीन व्यवहार की कामना की जैसा हम देंगे वही लौट कर आएगा। कुशल संचालन परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने किया व प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका पिंकी आर्य, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, कमला हंस, रचना वर्मा, प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, संतोष सचान, सुमित्रा गुप्ता 97 वर्षीय, उषा सूद, शोभा बत्रा, सुधीर बंसल आदि के मधुर भजन हुए।

योग की महत्ता पर गोष्ठी सम्पन्न

योग से जीवन में संतुलन आ जाता है –विमलेश बंसल दर्शनाचार्या

सोमवार, 23 जून 2025, केंद्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'योग की महत्ता' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 727 वाँ वेबिनार था। वैदिक विदुषी दर्शनाचार्या विमलेश बंसल आर्या ने योग का जीवन में महत्व पर बोलते हुए कहा कि योग से सभी रोग दूर हो व्यक्ति के जीवन में नूर आ जाता है।तन का अनुशासन,मन पर नियंत्रण तथा जीवन में संतुलन आ जाता है। योग करने वाले साधक को योग के बारे में सही जानकारी तथा योग के लाभ ज्ञात होना बहुत आवश्यक है। जब तक लाभ नहीं पता होगा तब तक वह योग की ओर नहीं बढ़ सकता।वस्तुतः योग एक व्यापक शब्द है जिसको कर्मों के भीतर लाना अति आवश्यक है।आसन प्राणायाम भी योग के दो महत्वपूर्ण अंग हैं उन्हें हम नकार नहीं सकते,किंतु योग की पूर्णता हेतु हमें अपने प्रति, समाज के प्रति तथा ईश्वर के प्रति व्यवहार में भी शुद्धि लानी अति आवश्यक है तथा निष्काम कर्म करते हुए चित्त की वृत्तियों के बाह्य व्यापार को मानसिक नियमन द्वारा रोक कर तथा आंतरिक होकर मन द्वारा ईश्वर को संज्ञान में लाकर स्वयं को ईश्वर से जोड़ना होगा,इसके लिए धारणा, ध्यान और समाधि अर्थात् ईश्वर के गुण कर्म स्वभाव के आधार पर ईश्वर की खोज करते हुए समाधान की ओर बढ़ना ही होगा।योग को जीवन में लाने के लिए देव बन कर जीना ही होगा,इसके लिए योगमय स्थिति बनानी होगी।समता,संतुलन, अनुशासन से जीवन को भरना होगा, तभी योग सिद्ध हो सकेगा अन्यथा योग का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा। मुख्य अतिथि वीरेंद्र आहूजा व अध्यक्ष रजनी चुघ ने योग को जीवन में अपनाने पर बल दिया।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर,कुसुम भण्डारी, जनक अरोडा, कमला हंस आदि के मधुर भजन हुए।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970